सुविचार
सोचा है तो पूरा होगा,
बस शुरू आज से करना होगा।
तूझे दुनिया से बाद में खुद से
पहले लड़ना होगा।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

मास्क जरूरी,
नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 19 AUGUST TO 25 AUGUST 2021 • VOLUME-5 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY
✓ WORK
✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

यूएई में हैं अफगानिस्तान के राष्ट्रपति

काबुल के बंद होने से पहले गनी रविवार को अफगानिस्तान से भाग निकल थे

नई दिल्ली. अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया था। उन्हें संयुक्त अरब अमीरात शरण दी है। संयुक्त अरब अमीरात ने बुधवार को कहा कि वह तालिबान के अधिग्रहण के बीच अफगानिस्तान से भागे राष्ट्रपति अशरफ गनी की 'मानवीय आधार पर' मेजबानी कर रहा है। यूएई द्वारा एक संक्षिप्त बयान में कहा गया, 'यूएई विदेश मामलों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय इस बात की पुष्टि कर सकता है कि यूएई ने राष्ट्रपति अशरफ गनी और उनके परिवार का मानवीय आधार पर देश में स्वागत किया है।' तालिबान के कब्जे के बाद काबुल के बंद होने से पहले गनी रविवार को अफगानिस्तान से भाग निकल थे। तालिबानी विद्रोही अफगान की राजधानी में निर्विरोध बढ़ते चले गए थे। एक फेसबुक पोस्ट में अशरफ गनी ने कहा था कि 'तालिबान जीत गया' और उन्हें 'रक्तपात की बाढ़' को रोकने के लिए अफगानिस्तान को छोड़ना पड़ा। बुधवार तक अशरफ गनी के ठिकाने

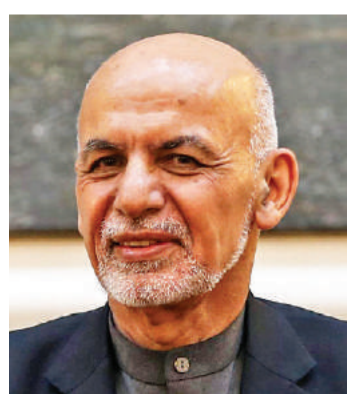

की कोई खबर नहीं थी। अटकलें लगाई जा रही थी कि वह ताजिक्टन, उज्बेजिस्तान या ओमान भाग गए हैं। यह पहली बार नहीं होगा जब तेल समृद्ध खाड़ी देश ने पूर्व नेताओं और उनके रिश्तेदारों के लिए अपनी बाहें खोली हैं, जो अब उनके देश में व्यक्तित्वहीन हैं। 2017 में, दुबई के अमीरात ने थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री यिंगलक शिनावात्रा की मेजबानी की, जिन्हें अनुपस्थिति में पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

स्पेन के राजा जुआन कार्लोस पिछले साल अगस्त में संयुक्त अरब अमीरात में आत्म-निर्वासन में चले गए क्योंकि उनके भाग्य की उत्पत्ति पर सवाल खड़े हो गए थे। पाकिस्तानी विपक्षी नेता बेनजीर भुट्टो के आठ साल के निर्वासन के दौरान और पाकिस्तान में उनकी हत्या से पहले संयुक्त अरब अमीरात ही उनका घर था। यूएई सऊदी अरब और पाकिस्तान सहित तीन देशों में से एक है, जिसने पिछले तालिबान शासन को मान्यता दी थी, जिसने 1996 से 2001 तक शासन किया था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

बेटियों को मिला एनडीए की परीक्षा देने का अधिकार

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देश दी बेटियों के एज्यूकेशन को लेकर बड़ा फैसला किया है। कोर्ट ने महिला कैंडिडेट को एनडीए एग्जाम्स में बैठने की इंजाजत दे दी है। अनुमति देने की मांग करने वाली याचिका पर पर कोर्ट ने सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है जिस पर बुधवार को सेना को जमकर फटकार लगाई गई और अपना अंतरिम ऑर्डर पास करते हुए महिलाओं को 5 सितंबर को होने वाली नेशनल डिफेंस एकेडमी परीक्षा में शामिल होने की मंजूरी देने के निर्देश दिए। साथ ही कोर्ट ने ये भी कहा कि एडमिशन कोर्ट के अंतिम आदेश के अधीन होंगे।

बता दें कोर्ट में सनुवाई दे दौरान सेना ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि, 'यह एक नीतिगत निर्णय है, जिस पर जस्टिस संजय किशन कौल और हृषिकेश रॉय की खंडपीठ ने कहा कि यह नीतिगत निर्णय लिंग भेदभाव पर बेस्ड है।' इसके चलते सुप्रीम कोर्ट ने सेना को फटकार लगाते हुए कहा कि, 'आपको हर बार आदेश पारित करने के लिए न्यायपालिका की आवश्यकता क्यों है। आप न्यायपालिका को आदेश देने के लिए बाध्य कर रहे हैं। यह बेहतर है कि आप (सेना) अदालत के आदेशों को इंवाइट करने के बजाय इसके लिए ढांचा तैयार करें। हम उन लड़कियों को एनडीए परीक्षा में बैठने की मंजूरी दे रहे हैं, जिन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

इसके साथ ही पीठ ने महिला उम्मीदवारों के खिलाफ 'लगातार लैंगिक भेदभाव' पर भारतीय सेना को फटकार लगाई और यह भी कहा कि भारतीय नौसेना और वायु सेना ने पहले ही प्रावधान कर दिए हैं, लेकिन भारतीय सेना अभी भी पीछे है।

यूपीए पर फोड़ा पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का ठीकरा

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों को

अंतरराष्ट्रीय बाजार के हवाले करने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ते हुए कहा कि ईंधन के दाम तब स्थिर होंगे जब सभी पक्षकार जरूरी कदम उठाएं और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इस मामले में संवेदनशील है और कदम उठा रही है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने यहां प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल पर प्रति लीटर 32 रुपये उत्पाद शुल्क लेती है और इससे होने वाली कमाई को कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर कांग्रेसपेट्रोल-डीजल की कीमतों से अधिक चिंतित है तो उसे अपने शासन वाले राज्यों में इन ईंधनों पर लगने वाले वैट (मूल्य वर्धित कर) को कम कर देना चाहिए. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2010 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार ने ही पेट्रोल व डीजल को नियंत्रण से मुक्त किया था जिससे इन ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के मुताबिक तय होती हैं।

सुनंदा पुष्कर खुदकुशी केस में शशि थरूर आरोप मुक्त

नई दिल्ली. कांग्रेसी सांसद शशि थरूर को पत्नी सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले में दिल्ली की

निचली अदालत से बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू अदालत ने शशि थरूर को पत्नी सुनंदा पुष्कर की मौत के मामले में खुदकुशी के लिए उकसाने जैसी गंभीर धाराओं से आरोप मुक्त करार दिया है। शशि थरूर की पत्नी सुनंदा पुष्कर की साल 2014 में मौत हुई थी व दिल्ली पुलिस ने शशि थरूर के खिलाफ पत्नी को खुदकुशी के लिए उकसाने के मामले में चार्जशीट दायर की थी।

प्रधानमंत्री मोदी कल करेंगे सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अगस्त को गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर की 83 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम श्री सोमनाथ ट्रस्ट (एसएसटी) के अध्यक्ष हैं जो गिर-सोमनाथ जिले के प्रभास पाटन शहर में स्थित विश्व प्रसिद्ध मंदिर के मामलों का प्रबंधन करता हैं. एसएसटी के न्यासी सह सचिव पी के लाहेरी ने इसको लेकर बताया

'प्रधानमंत्री मोदी तीन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और मुख्य मंदिर के पास 30 करोड़ रुपये में बनने वाले पार्वती मंदिर के लिए एक आभासी शिलान्यास समारोह भी करेंगे।' पीके लहरी ने कहा कि कार्यक्रम का आयोजन 20 अगस्त को मंदिर के राम मंदिर सभागार में किया जाएगा।

मोदी कैबिनेट ने राष्ट्रीय खाद्य तेल-पाम मिशन को मंजूरी दी

नई दिल्ली. मोदी कैबिनेट ने खाद्य तेलों के लिए आयात पर निर्भरता को कम करने को लेकर 11,040 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय खाद्य तेल-तेल पाम मिशन को मंजूरी दी है। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि राष्ट्रीय मिशन के तहत पाम तेल की खेती करने वालों के लिये जरूरी सामान के वास्ते सहायता को दुगुना कर 29 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि पाम तेल के कच्चे माल का दाम केंद्र सरकार तय करेगी। बाज़ार में उतार चढ़ाव आया और किसान की फसल का मूल्य कम हुआ तो जो अंतर की राशि है वो केंद्र सरकार डीबीटी के माध्यम से किसानों को भुगतान करेगी।

आगामी 2022 का चुनाव राजनीतिक पार्टियों के लिए सिर्फ चुनाव होगा, लेकिन पंजाब के लोगों के लिए बुद्धिमानी का इम्तिहान

मुद्दों से भटकाकर जातीए राजनीति कर लोगों को गुमराह करने की फिर से तैयारी

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

देश के पांच राज्यों में साल 2022 की शुरूआत में विधान सभा चुनाव होने जा रहे हैं। जिसमें हर एक राज्य में विभिन पार्टियों ने चुनाव के लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी है।

चुनावी वादों में इस बार जातिए समीकरण को देखते हुए लुभाने वाले वायदे किए जा रहे हैं। जिसमें पंजाब में भाजपा द्वारा दलित मुख्यमंत्री, अकाली-बसपा द्वारा दलित व हिंदु उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी द्वारा सिख मुख्यमंत्री को 2022 के चुनावों के लिए घोषणा की है।

अक्सर इन चुनावों में उत्तर प्रदेश में चुनी जाने वाली सरकार साल 2024 में प्रधानमंत्री चुनने के लिए काफी सक्रिय मानी जाती है।

दूसरी तरफ पंजाब सीमावर्ती राज्य और विदेशों में बसे पंजाबियों के कारण पूरे देश और विदेश के लोगों की रूचि चुनाव के समय पंजाब में होती है। पंजाब में कई सालों से अकाली-भाजपा या कांग्रेस की सरकार ही रही है।

लेकिन इस बार किसानी मुद्दों को लेकर भाजपा और अकाली दल द्वारा अलग से अपने वर्करों को साथ लेकर चुनाव लड़ा जा रहा है।

ऐसे में अकाली दल ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठजोड़ कर चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

कांग्रेस हाई कमान जहां पंजाब में पार्टी के अंदर चल रही गुटबाजी सुलझाने में लगी है वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल द्वारा लोगों को पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर अपने गारंटी कार्ड में कई तरह की मुफ्त सुविधाएं देने के वायदे किए हैं।

जिक्रयोग्य है 13 फरवरी 2020 के फैसले के पैराग्राफ 4.4 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि उम्मीदवार के चयन के 48 घंटे के भीतर या नामांकन दाखिल करने की पहली तारीख से कम से कम दो सप्ताह पहले, जो भी पहले हो उसका आपराधिक पृष्ठभूमि प्रकाशित करना होगा। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उसने उक्त फैसले के पैरा 4.4 में सुधार किया है और चयन को 48 घंटे के भीतर इसे पार्टी की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्म और समाचार पत्रों में चयनीत उम्मीदवारों के अपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में प्रकाशित करना होगा।

अगर राजनीतिक पार्टियां क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले शख्स को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारती हैं तो उन्हें इसकी वजह भी बतानी होगी। राजनीतिक दलों को बताना होगा कि आखिर वह क्यों किसी बेदाग प्रत्याशी को चुनाव का टिकट नहीं दे पाई। दागियों की योग्यता के बारे में 72 घंटे के अंदर चुनाव आयोग को पूरी जानकारी देना जरूरी

होगा। इसके अलावा चुनाव आयोग को आदेश जारी किए हैं वह एक मोबाइल एप्लीकेशन भी बनाए जिसमें उम्मीदवारों की पूरी जानकारी वोटरों को आसानी से मिल सके। इस आदेश की उल्लंघना होने पर चुनाव आयोग पार्टी के खिलाफ कोर्ट में जा सकती है।

गौरतलब है पंजाब में कई पार्टियों के नेताओं के ऊपर क्रिमिनल केस और कोर्ट में प्रोसिडिंग्स चल रही है, ऐसे में पार्टी प्रमुख को टिकट का वितरण करते समय विधायक पद पर टिकट लेने वाले प्रत्याशी को सोच-समझ कर मैदान में उतारना होगा। क्यूंकि आजकल ज्यादा से ज्यादा लोग सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और वोट डालने से पहले पार्टी की वेबसाइट व चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली मोबाइल ऐप पर जाकर उम्मीदवार की बैकग्राउंड चैक कर सकते हैं। अगर कोई पार्टी, क्रिमिनल बैकग्राउंड, या धूमिल छवि वाले व्यक्ति को टिकट देकर मैदान में उतारते हैं। ऐसे में पार्टी व दागी उम्मीदवार को इसका नुकसान होना तय है।

लेकिन इस बार जनता को अपने नेता का आंकलन करने का हथियार मिल गया है। जिसका इस्तेमाल जनता की बुद्धिमानी को तय करेगा। क्योंकि खास तौर पर पंजाब में कम पढ़े लिखे और भोले-भाले लोगों को प्रलोभन, नशीली वस्तुओं, शराब आदि की चुनाव पूर्व सप्लाई देकर पार्टी के दागी प्रवृति के लोग ठगते आ रहे हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जनता को जो हथियार प्रदान किया है। वह पार्टियों के दागी प्रत्याशियों पर भारी पड़ने वाला है। कारण सोशल मीडिया लोगों पर आजकल इस कदर हावी है कि छोटी-सी-छोटी बात भी चंद मिंटों में वायरल हो जाती है।

अब देखना होगा कि पंजाब में राजनीतिक पार्टियां सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की पालना किस प्रकार करती है। हालांकि कोर्ट ने कुछ राजनीतिक पार्टियों पर आदेश की पालना न करने पर जुर्माना भी लगाया है और चुनाव आयोग को निर्देश दिया गया है कि एक अलग से सेल बनाकर उनके द्वारा दिए गए आदेशों की पालना पार्टियां करती है कि नहीं इस पर निगरानी रखी जाए।

चुनाव 2022

प्रलोभन देकर दागी उम्मीदवार ठगती है जनता को

इस बार जनता को अपने नेता का आंकलन करने का हथियार मिल गया है। जिसका इस्तेमाल जनता की बुद्धिमानी को तय करेगा। क्योंकि खास तौर पर पंजाब में कम पढ़े लिखे और भोले-भाले लोगों को प्रलोभन, नशीली वस्तुओं, शराब आदि की चुनाव पूर्व सप्लाई देकर पार्टी के दागी प्रवृति के लोग ठगते आ रहे हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने जनता को जो हथियार प्रदान किया है। वह पार्टियों के दागी प्रत्याशियों पर भारी पड़ने वाला है। कारण सोशल मीडिया लोगों पर आजकल इस कदर हावी है कि छोटी-सी-छोटी बात भी चंद मिंटों में वायरल हो जाती है।

गोवा भारत का छोटा सा प्रदेश है, जो उत्तरी ओर से महाराष्ट्र एवं पूर्वी व दक्षिण ओर से कर्णाटक से घिरा हुआ है। इसके पश्चिम में अरब सागर है। इसकी राजधानी पणजी है, जबकि गोवा का सबसे बड़ा शहर वास्कोडीगामा है। गोवा में पुर्तगाली रहा करते थे, उन्हीं ने इसकी खोज की थी। 450 साल तक यहां रहने के बाद, 1961 में गोवा को भारत में शामिल किया गया था। गोवा को 30 मई 1987 में राज्य बनाया गया था।

हनीमून, फैमिली ट्रिप, दोस्तों के साथ घूमने के लिए गोवा है बेस्ट डेस्टिनेशन

गोवा के दर्शनीय स्थल की सूची

• **जालंधर ब्रीज.** स्पेशल स्टोरी

गोवा भारत का सबसे जाना माना पर्यटन स्थल है। हनीमून, फॅमिली ट्रिप, दोस्तों के साथ ट्रिप, किसी भी तरह की छुट्टी बिताने के लिए गोवा को बेस्ट डेस्टिनेशन माना जाता है। गोवा सबसे अधिक, युवाओं के बीच फेमस है। हर कोई अपने दोस्तों के साथ वहां छुट्टी बिताने जाना चाहता है। गोवा का मस्ती भरा माहौल, पार्टी, बीच, एडवेंचर खेल, प्राकतिक सुन्दरता और यहां का इतिहास सबको इससे प्यार करने के लिए मजबूर कर देता है। भारत में तो गोवा सबका पसंदीदा पर्यटन स्थल है ही, विदेशों में भी इसके बहुत चर्चे है। गोवा में हर साल हजारों पर्यटक विदेशों से आते है। गोवा में कम से कम 1 हफ्ता बिताना चाहिए, तब आप वहां का आराम से मजा ले सकते है।

गोवा जाने का सही समय : आप गोवा में छुट्टी बिताने कभी भी जा सकते है। गोवा में पीक सीजन अक्टूबर से जनवरी तक का होता है। इस दौरान यहां बहुत भीड़ रहती है, मुख्य रूप से न्यू इयर के समय। आम इन्सान से लेकर सेलेब्रिटी, हर कोई यहां न्यू इयर सेलिब्रेट करने जाता है। न्यू इयर की शाम यहां का माहोल देखने लायक होता है, यहाँ का न्यू इयर पूरी दुनिया में फेमस है। इस पीक सीजन में यहां के रेट्स आसमान छुने लगते है, रुकना, खाना पीना इस समय बहुत महंगा हो जाता है। जो लोग इस पीक सीजन में नहीं जा सकते है, वे मानसून में गोवा का मजा ले सकते है। जून से सितम्बर के बीच मानसून सीजन में यहां स्पेशल डिस्काउंट भी रहता है, जिससे उचित दाम में आप गोवा का मजा ले सकते है।

एयरप्लेन द्वारा : गोवा में एक ही एयरपोर्ट है, 'गोवा इंटरनेशनल एअरपोर्ट'। यह वास्कोडीगामा के पास स्थित है। यहां से नेशनल एवं इंटरनेशनल दोनों फ्लाइट का आवागमन होता है।

ट्रेन द्वारा : गोवा में 2 रेलवे लाइन है – साउथ वेस्टर्न रेलवे एवं कोंकण रेलवे। कोंकण रेलवे लाइन का निर्माण 1990 में ही हुआ है, इससे देश के सभी पश्चिमी हिस्सों से इस ट्रेन का जुड़ाव है। गोवा की राजधानी पणजी में रेलवे स्टेशन नहीं है। गोवा के अन्य शहर वास्कोडीगामा एवं मडगांव गोवा के बड़े जंक्शन है।

रोड द्वारा : गोवा पहुंचने के लिए रोड के द्वारा भी पहुंचना अच्छा विकल्प है। यहां के लिए बहुत ही प्राइवेट एवं सरकारी बसें चलती है। मुंबई से वॉल्वो चलती है, जिससे बहुत से लोग बस से ही गोवा पहुंचते है। गोवा के अंदर पब्लिक ट्रांसपोर्ट बहुत अच्छा है। यहां घुमने के लिए लोग पर्सनल दो पहिया गाड़ी बुक कर लेते हैं। ये गाड़ी वहां हर चौराहे, होटल में मिल जाती है। इन दो पहिया गाड़ी चलाने के लिए बस आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए, फिर बस पूरा गोवा आपका है। आप जहाँ चाहें अपने हिसाब से जा सकते है।

ओल्ड गोवा : ओल्ड गोवा पणजी में स्थित है। यह पुर्तगालियों के समय उनकी राजधानी हुआ करता था। एशिया में सबसे अधिक चर्च और गिरिजाघर इसी जगह स्थित है। यहां की कुछ पुरानी बिल्डिंग को पुरातत्व विभाग ने संग्रहालय बना दिया है, इन संग्रहालय में गोवा के इतिहास को करीब से देखा जा सकता है। ओल्ड गोवा की सबसे प्राचीन और फेमस बिल्डिंग है 'दी कान्वेंट' और 'चर्च ऑफ़ सेंट फ्रांसिस' इसका निर्माण 1521 में हुआ था। यहां सेंट फ्रांसिस जेवियर के शरीर के अवशेष अभी भी संरक्षित करके रखे गए है। उनके पार्थिव शरीर को हर 10 साल में लोगों को दिखने के लिए सामने लाया जाता है। 2015 में ऐसा हुआ था।

गोवा बीच : गोवा अरब सागर के किनारे स्थित है। समुद्र किनारे गोवा में कई बीच है, जहां कई तरह के रिसोर्ट, होटल, हट्स बन चुके है। इन समुद्र किनारे का मजा लेने के लिए लोग मुख्य रूप से गोवा जाते है। यहां हर एक बीच अपने आप में अलग है।

अगोंडा : यह साउथ गोवा में स्थित है। यह बहुत लम्बा एवं चौड़ा बीच है। शहर के शोरगुल से दूर, यहां आने से मन शांत होता है। यहां अधिक लोगों की भीड़ भी नहीं होती है। जो कोई बस रिलैक्स करना चाहता है, उसे इस बीच में जरुर जाना चाहिए। यहां बीच किनारे हट्स है, जहां आप रुक सकते है और प्रकृति की सुन्दरता का मजा ले सकते है।

अंजुना : यह नार्थ गोवा में है। यहां हर बुधवार फ़्ली मार्किट लगता है, जहां लोग बहुत अधिक मात्रा में आते है और शॉपिंग का मजा लेते है। इस बीच में हमेशा लोगों की भीड़ देखी जा सकती है।

अरम्बोल : नार्थ गोवा में स्थित यह बीच, गोवा के अंत में बसा है। जो आजकल लोगों का चाहिता बीच बना हुआ है। एक समय में यह मछली पकड़ने वालों का गांव हुआ करता था, लेकिन अब ये पर्यटकों से भरा हुआ समुद्र किनारा बन गया है। यहां योग, मेडिटेशन भी लोग करते है। इस बीच में तरह तरह के वाटर स्पोर्ट्स भी होते है, साथ ही समुद्र किनारे डोल्फिन को भी देखा जा सकता है। यह बीच रात भर खुला रहता है, रात के समय यहाँ माहौल और सुहावना हो जाता है। हल्की म्यूजिक के साथ, लोग यहां शानदार शाम बिताने आते है। गोवा से दूर होने के कारण यहाँ भीड़ कम होती है, शोरगुल से दूर ये पीसफुल प्लेस है।

बागा और कालंगुते : यह बीच गोवा के सबसे व्यस्ततम बीचों में से एक है। कालंगुते बीच जहां ख़त्म होता है, वहां से बागा बीच शुरू होता है। दोनों कहाँ से कहां तक है, समझ पाना मुश्किल है। बागा बीच, कालंगुते बीच से ज्यादा डेवलप है, और यहां भीड़ भी कम होती है। यहां पर लोग वाटर स्पोर्ट्स का मजा उठाने जाते है। अगर आप अच्छे खाने और वाइन का मजा लेना चाहते है, तो इस बीच के पास आपको बहुत से रेस्तरां मिल जाएंगे। बागा बीच के आस पास रात भर लोगों की भीड़ जमा रहती है, इसके पास में फेमस टिटोस एवं कैफ़े मैंबो है। इसके आप पास और भी स्थल है :-

- से कैथेड्रल
- अगुअदा फोर्ट
- सेंट अलेक्स चर्च
- बागा रिट्रीट हाउस

बेनौलिम : यह कोल्वा बीच के पास स्थित है, लेकिन दोनों बीच में बहुत अंतर है। यहां मछली पकड़ने का व्यापार होता है। इस बीच में पार्टी नहीं होती है, लेकिन यहां वाटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यह बीच बहुत शांत रहता है, दिसम्बर के पीक सीजन में बस यहां भीड़ देखी जा सकती है।

कोल्वा : यह अधिक फेमस बीच है, जहां क्राउड भी अधिक होता है। वीकेंड पर पर्यटक के साथ साथ यहां लोकल वालों की भी बहुत भीड़ रहती है। अक्टूबर के समय यहां और अधिक भीड़ होती है, क्यूंकि इस समय लोग देश-विदेश से कोल्वा चर्च में आते है। यह एरिया काफी डेवलप है, जहां होटल, बार, रेस्तरां, फ़ूड स्टाल सब मिल जाता है। इस बीच में विदेशियों की जगह भारतीयों की भीड़ होती है। विदेशी यहां अधिक एन्जॉय नहीं करते है, क्यूंकि यहाँ रात का शोर शराबा नहीं होता है।

पालोलेम : यह बीच सेमीसर्किल शेप में बना हुआ है। यहाँ बड़े बड़े खजूर के पेड़ है, साथ ही यहाँ की रेत बहुत सॉफ्ट है। इस बीच में पीक सीजन में बहुत भीड़ रहती है। यहाँ हर साल सीजन के समय अस्थाई हट्स बनाये जाते है, जहाँ लोग इस बीच किनारे रुक मजे ले सकते है।

पणजी : यह मंडोवी नदी के पास स्थित है। इस शहर एतेहासिक है, जहाँ पुर्तगालीयों के प्रभाव को अभी भी देखा जा सकता है। भारत का पहला और एशिया का सबसे पुराना मेडिकल कॉलेज 'गोवा मेडिकल कॉलेज' पुर्तगालीयों द्वारा पणजी में बनवाया गया था। पणजी में मुख्य दर्शनीय स्थल ये है :-

- रिस मागोस फोर्ट
- फोर्ट अगुअदा
- 18 जून रोड
- गोवा पुरातत्व संग्रहालय
- सचिवालय
- डोना पौला बीच
- मिरामार बीच
- डॉ सलीम अली पक्षी अभयारण्य
- गोवा राज्य संग्रहालय
- दुर्गा मंदिर
- जामा मस्जिद

वास्को-डा-गामा : 1543 में इसे पुर्तगालीयों द्वारा बनाया गया था। यह गोवा का मुख्य औद्योगिक स्थल हुआ करता था। एक फेमस पुर्तगाली के नाम पर इस शहर का नाम वास्को-डा-गामा रखा गया था। गोवा की संस्कृति और यहाँ के लाइफस्टाइल को देखना चाहते है तो इस शहर में आपको जरुर जाना चाहिए। वास्को-डा-गामा के फेमस स्थल :-

- बोग्मालो बीच
- वेल्सो बीच
- मोरमुगाओ पोर्ट
- पायलट पॉइंट
- जापानीज गार्डन
- जुआरी रिवर
- नवल एविएशन संग्रहालय

मापुसा : मापुसा गोवा की फेमस जगह में से एक है। यहाँ हर शुक्रवार बाजार लगता है, जहाँ कम दाम में अच्छी चीजें ली जा सकती है। मापुसा के आस पास की जगह :-

- कालचा बीच
- मैस्करेनहास हवेली
- अर्पोरा
- अल्दोना
- चपोरा किला
- श्री कालिका मंदिर
- बोम जीसस के बेसिलिका

मार्गो : यह गोवा की दुसरे नंबर की बड़ी सिटी है, साथ ही पुरानी भी है। यह गोवा का वाणिज्यिक केंद्र भी है। पुर्तगालीयों के समय इसे मडगांव कहा जाता था, लेकिन बाद में इसका नाम मार्गो रख दिया गया। यह गोवा का मुख्य धार्मिक स्थल भी है, यहाँ बहुत से धार्मिक केंद्र है। मार्गो में स्थित दर्शनीय स्थल :-

- कैनोपी गोवा
- कोल्वा बीच
- लौटोलिम
- अकुएम की गुफाएं
- वेल्सो बीच
- टाउन स्क्वायर
- मोंटे हिल
- जॉर्ज बरेटो पार्क
- कोलोनिकल स्टाइल विला।

बालों की देखभाल के लिए ऐसे करें धनिया का इस्तेमाल

धनिया में विटामिन, प्रोटीन और मिनरल होता है। ये बालों के लिए लाभदायक है। बालों के लिए धनिया का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं आइए जानें :-

धनिये के पत्तों का पेस्ट लगाएं : एक मुट्ठी ताजा हरा धनिया लें और इन्हें अच्छी तरह धो लें। इन्हें ब्लेंडर में डालकर थोड़ा सा पानी डालें। एक साथ मिलाकर पेस्ट तैयार करें। धनिया के पत्तों के पेस्ट को बालों और स्कैल्प पर लगाएं और 40-60 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें। बालों की देखभाल के लिए इसका इस्तेमाल हफ्ते में 2 बार कर सकते हैं।

धनिया के पत्ते और नारियल का तेल : एक मुट्ठी ताजा हरा धनिया लें और इन्हें पानी से अच्छी तरह धो लें। इन्हें ब्लेंडर में डालें। थोड़ा पानी डालकर पेस्ट बना लें। इसे निकाल लें और इसमें थोड़ा सा नारियल का तेल मिलाएं। मिश्रण को स्कैल्प और बालों पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और एक घंटे तक लगा रहने दें। इसे माइल्ड शैम्पू से धो लें। इसका इस्तेमाल हफ्ते में 2 से 3 बार कर सकते हैं।

धनिया पत्ती और एलोवेरा : एक मुट्ठी ताजा हरा धनिया लें, इन्हें अच्छी तरह धोकर ब्लेंडर में डाल दें। थोड़ा एलोवेरा जेल डालें। एक साथ मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अगर ये बहुत गाढ़ा लगे तो इसमें थोड़ा पानी डालें। इस पेस्ट को पूरे स्कैल्प पर लगाएं और उंगलियों से हल्के हाथों से मसाज करें। 30-40 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद माइल्ड शैम्पू से सिर धो लें। हफ्ते में दो बार एलोवेरा और धनिया के पत्तों के पेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

धनिया पत्ती, जैतून का तेल और शहद : कुछ ताजे हरे धनिये के पत्तों को पानी से अच्छी तरह धोकर ब्लेंडर में डाल दें। थोड़ा पानी डालें और एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे बाहर निकालें और इसमें थोड़ा सा शहद और साथ ही जैतून का तेल मिलाएं। सभी चीजों को मिलाकर एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और उंगलियों से हल्के हाथों से मसाज करें। इसे 30-40 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे धोने के लिए माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में 2 बार कर सकते हैं।

महिलाओं को नियमित रूप से करने चाहिए ये 5 योगासन

एक मजबूत, लचीला शरीर और एक स्वस्थ दिमाग के लिए योग जरूरी है। महिलाएं नियमित रूप से कौन से योगासन कर सकती हैं आइए जानें :-

शिशुआसन : बच्चे की मुद्रा पीठ के लिए आराम देने वाली होती है। ये कब्ज से राहत देता है और नर्वस सिस्टम को शांत करता है।

नौकासन : नाव की मुद्रा पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। ये पैर और हाथ की मांसपेशियों को भी टोन करता है।

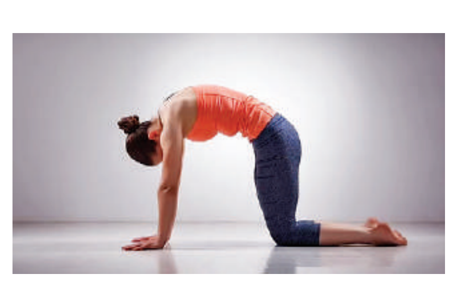

मार्जरीआसन : कैट पोज रीढ़ की हड्डी में लचीलापन लाता है, कलाई और कंधों को मजबूत करता है और पाचन में सुधार करता है, पेट को टोन करता है, दिमाग को आराम देता है, ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है।

अर्ध चंद्रासन : अर्धचंद्रासन टखनों, घुटनों, पैरों, पेट, नितंबों और रीढ़ को मजबूत करता है। ये छाती और कंधों को खोलने में मदद करता है। ये पाचन, संतुलन और समन्वय में सुधार करता है और तनाव को कम करता है।

भुजंगासन : कोबरा मुद्रा आपको तनाव और चिंता से राहत देती है। ये पैरों और पीठ में अकड़न से राहत देता है। ये पीठ, गर्दन और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है।

एक मिनट में कितनी बार सांस लेते हैं आप?

कुछ मामलों में आपके रेस्पिरेटरी रेट में मामूली बदलाव हो सकते हैं। लेकिन जब आपके रेस्पिरेटरी रेट में बड़ा अंतर देखने को मिले तो ये निश्चित रूप से चिंता की बात हो सकती है।

भारत के साथ-साथ दुनिया के तमाम देशों में कोरोना वायरस का कहर जारी है। कई मरीजों में ऑक्सीजन की भारी कमी हो गई जिससे लाखों की जान चली गई। ये तो हम सभी जानते हैं कि हमारे शरीर में प्रवेश करने के बाद कोरोना रेस्पिरेटरी सिस्टम पर हमला करता है, जिससे इंसान को सांस लेने में समस्या होती है और जब सही समय पर स्थिति को संभाला न जा सके तो मरीज की मौत हो जाती है।

क्या होता है रेस्पिरेटरी रेट : रेस्पिरेटरी रेट को हिंदी में श्वसन दर के नाम से जाना जाता है। आपके श्वसन दर का सीधा मतलब ये है कि आप एक मिनट में कितनी बार सांस लेते हैं। इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में आगे बढ़ने से पहले आपको ये जानना बहुत जरूरी है कि श्वसन दर मानव शरीर का एक बहुत ही महत्वपूर्ण लक्षण है, जिससे कई तरह की बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। प्रति मिनट ली जाने वाली सांस को ही श्वसन दर कहा जाता है। कम उम्र के बच्चे और एक व्यस्क के रेस्पिरेटरी रेट में बड़ा अंतर पाया जाता है। आज हम यहां आपको एक नवजात बच्चे से लेकर एक व्यस्क के श्वसन दर के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्वस्थ व्यस्क एक मिनट में 12 से 16 बार सांस लेता है। यदि आपका रेस्पिरेटरी रेट 12 से कम या 16 से ज्यादा है तो आपको डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

एक व्यस्क के मुकाबले एक छोटे बच्चे के श्वसन दर में काफी बड़ा अंतर होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि बच्चों का श्वसन दर तेजी से बदलता है। एक नवजात शिशु एक मिनट में 30 से 60 बार सांस लेता है। ये श्वसन दर जन्म से लेकर 1 साल की उम्र तक रह सकता है। 1 से 3 साल का बच्चा एक मिनट में 24 से 40 बार सांसे लेता है। 3 से 6 साल का बच्चा एक मिनट में 22 से 34 बार सांस लेता है। 6 से 12 साल के बच्चे का रेस्पिरेटरी रेट 18 से 30 के बीच होता है, जबकि 12 से 18 साल के बच्चों का श्वसन दर 12 से 16 होता है और व्यस्कों का रेस्पिरेटरी रेट भी इतना ही होता है। बढ़ती उम्र के साथ इसमें बदलाव भी होता रहता है।

नॉलेज न्यूज़

अब देश के 75 रेलवे स्टेशनों पर खरीद सकेंगे खादी के सामान, वोकल फॉर लोकल को मिलेगा बढ़ावा

दिल्ली. खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने देश के 75 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर खादी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के स्टॉल लगाये हैं। ये सभी स्टॉल अगले एक वर्ष तक यानी वर्ष 2022 के स्वतंत्रता दिवस तक चलते रहेंगे। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत केवीआईसी ने यह पहल की है। खादी स्टॉलों का उद्‌घाटन सभी 75 रेलवे स्टेशनों पर 14 अगस्त, 2021 को किया गया।

इस प्रदर्शनी और बिक्री स्टॉलों के जरिये देश के तमाम रेल-यात्रियों को स्थानीय खादी उत्पादों को खरीदने का मौका मिलेगा, खासतौर से सफर के दौरान रास्ते में पड़ने वाले इलाके या राज्य के अपने उत्पादों को। इस पहल से खादी के कारीगरों को अपने उत्पादों को बढ़ावा देने और उन्हें बेचने का बड़ा प्लेटफॉर्म मिलेगा।

इन स्टेशनों पर लगे स्टॉल : इन स्टेशनों में नई दिल्ली, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुम्बई, नागपुर, जयपुर, अहमदाबाद, सूरत, अम्बाला कैंट, ग्वालियर, भोपाल, पटना, आगरा, लखनऊ, हावड़ा, बेंगलुरु, एर्नाकुलम और अन्य रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

मिलेंगे ये सामान : स्टेशनों के इन स्टॉलों पर खादी और ग्रामीण उद्योगों के उत्पाद, जैसे कपड़े, सिले-सिलाये कपड़े, खादी प्रसाधन, खाद्य-पदार्थ, शहद, मिट्टी के पात्र आदि उपलब्ध हैं। बिक्री स्टॉलों के जरिये देश के तमाम रेल-यात्रियों को स्थानीय खादी उत्पादों को खरीदने का मौका मिलेगा।

वोकल फॉर लोकल पहल को मिलेगी मजबूती : केवीआईसी के चेयरमैन विनय कुमार सक्सेना ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि रेलवे और केवीआईसी के इस संयुक्त प्रयास से खादी के कारीगरों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, इन 75 रेलवे स्टेशनों के खादी स्टॉलों के प्रति बड़ी संख्या में खरीदार आकर्षित होंगे और इस तरह खादी उत्पादों की विस्तृत किस्मों को लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। इसके जरिये न सिर्फ 'स्वदेशी' की भावना को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि सरकार की 'वोकल फॉर लोकल' पहल को भी आधार मिलेगा।

ड्राइविंग लाइसेंस बनाना होगा और भी आसान, सरकार ने नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली. सरकार ने ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के नियमों को आसान बना दिया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने के मौजूदा नियमों में बदलाव किया है। नए नियम के अनुसार वाहन निर्माता संघों, गैर लाभकारी संगठनों और निजी कंपनियों को मान्यता प्राप्त चालक प्रशिक्षण केंद्र चलाने की अनुमति होगी। फिर ये निर्धारित प्रशिक्षण पूरा होने पर ड्राइविंग लाइसेंस जारी कर सकेंगे।

मंत्रालय की तरफ से बुधवार को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार इस नई सुविधा के साथ क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया भी जारी रहेगी।

मंत्रालय ने 2 अगस्त, 2021 को जारी बयान में कहा कि वैध संस्थाएं जैसे कंपनियां, गैर सरकारी संगठन, निजी प्रतिष्ठान/ऑटोमोबाइल एसोसिएशन/वाहन निर्माता संघ/स्वायत्त निकाय/निजी वाहन निर्माता चालक प्रशिक्षण केंद्र (डीटीसी) की मान्यता के लिए आवेदन करने के लिए योग्य होंगी।

इसके अलावा बयान में कहा गया कि वैध संस्थाओं के पास केंद्रीय मोटर वाहन (सीएमवी) नियम, 1989 के तहत निर्धारित भूमि पर आवश्यक अवसंरचना/सुविधाएं होनी चाहिए। आवेदनकर्ता को साथ ही राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में केंद्र चलाने के लिए पर्याप्त संसाधनों का प्रबंधन करने को लेकर अपनी वित्तीय क्षमता दिखानी होगी। दिशा-निर्देशों के मुताबिक राज्य सरकारों को भी मान्यता प्राप्त चालक प्रशिक्षण केंद्रों और मान्यता प्रदान करने के तंत्र के प्रावधानों का व्यापक प्रचार करना होगा। मंत्रालय ने कहा कि मनोनीत प्राधिकरण डीटीसी की मान्यता के लिये मंजूरी देने की पूरी प्रक्रिया आवेदन जमा होने के 60 दिन के भीतर पूरी करेंगे।

कौन है तालिबान का नेता मुल्ला बरादर जो बनेगा देश का अगला राष्ट्रपति

अमेरिका के कहने पर पाक की जेल से हुआ था रिहा

जब अफगानिस्तान में पांच साल तक तालिबान का शासन था तो उस दौरान बरादर को कई बड़ी जिम्मेदारियां दी गई थीं। वह उप रक्षा मंत्री सहित कई प्रशासनिक पदों पर रहा जिसके बाद अमेरिकी नेतृत्व में हुए आक्रमण ने तालिबान को सत्ता से बाहर कर दिया था।

दिल्ली. तालिबान ने सोमवार को इस बात का ऐलान कर दिया है कि 20 साल से जो युद्ध चला आ रहा था, वो अब खत्म हो चुका है। काबुल में राष्ट्रपति महल पर तालिबान के लड़ाकों ने कब्जा किया और इसके साथ ही अपनी जीत का ऐलान भी कर दिया। अब अफगानिस्तान के हर बड़े प्रांत से अमेरिकी सेना बाहर है और तालिबान का नियंत्रण हो चुका है। अब इसके साथ ही अफगानिस्तान में तालिबान की नई सरकार का भी जिक्र होने लगा है। माना जा रहा है कि संगठन का मुखिया मुल्ला अब्दुल घनी बरादर इस देश का अगला राष्ट्रपति हो सकता है। एक नजर डालिए कि कौन है बरादर जो अब इस देश का नया राष्ट्रपति बनेगा।

साल 2010 में हुआ था गिरफ्तार

बरादर का जन्म उरुजगान प्रांत में 1968 में हुआ था। बरादर तालिबान का को-फाउंडर भी है। हैबतुल्लाह अखुंदजादा के बाद तालिबान में बरादर दूसरे नंबर का नेता है। साल 2010 में बरादर को आईएसआई ने कराची से गिरफ्तार कर लिया था। अमेरिका के अनुरोध पर उसे 2018 में रिहा कर दिया गया। मौजूदा समय में बरादर तालिबान का राजनीतिक मुखिया और समूह का सार्वजनिक चेहरा है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह रविवार को दोहा से काबुल पहुंच गया था। काबुल पर कब्जे के बाद एक वीडियो संदेश में तालिबानी नेता ने कहा कि समूह की असली परीक्षा अब शुरू होगी क्योंकि उन्हें देश के लोगों की सेवा करनी है। बरादर ने साल 1980 के दशक में सोवियत सेना के खिलाफ अफगान मुजाहिदीन में लड़ाई लड़ी थी। साल 1992 में रूस के बाहर निकलने के बाद प्रतिद्वंद्वी सरदारों के बीच गृहयुद्ध छिड़ गया था। उस समय बरादर ने अपने पूर्व कमांडर और रिश्तेदार मोहम्मद उमर के साथ कंधार में एक मदरसा स्थापित किया था।

• मुल्ला उमर के बाद बरादर संगठन में दूसरे नंबर का नेता था।

रिश्तेदार के साथ मिलकर बनाया तालिबान : मोहम्मद उमर और बरादन ने मिलकर साल 1994 में तालिबान की स्थापना की थी। सरदारों के लिए अफगानों के बीच बढ़ती नफरत और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन के कारण तालिबान ने साल 1996 में एक के बाद एक प्रांतीय राजधानियों पर कब्जे के बाद अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया। मुल्ला उमर के बाद दूसरे नंबर का तालिबान नेता बरादर, अपनी रणनीति के लिए जाना जाता है। जिलों और प्रांतीय राजधानियों पर जीत के लिए, बरादर को प्रमुख से जिम्मेदार माना जाता है।

जीत के बाद कहा खुदा हमारे साथ : जब अफगानिस्तान में पांच साल तक तालिबान का शासन था तो उस दौरान बरादर को कई बड़ी जिम्मेदारियां दी गई थीं। वह उप रक्षा मंत्री सहित कई प्रशासनिक पदों पर रहा जिसके बाद अमेरिकी नेतृत्व में हुए आक्रमण ने तालिबान को सत्ता से बाहर कर दिया था। रविवार को काबुल में घुसने के बाद देर रात को बरादर ने घोषणा करते हुए कहा कि अफगान सरकार पर 'आंदोलन' की जीत एक 'बड़ी कामयाबी' है।

जारी एक वीडियो संदेश में तालिबान के राजनीतिक ब्यूरो के मुखिया और समूह के सह-संस्थापकों में से एक बरादर ने काबुल पर कब्जे को 'अप्रत्याशित जीत' बताया। बरादर ने कहा, 'एक हफ्ते के भीतर देश के सभी बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया गया। यह बेहद तेज और हैरान करने वाला था।' बरादर ने माना कि उन्हें इस तरह सफलता मिलेगी इसकी जरा भी उम्मीद नहीं थी लेकिन खुदा उनके साथ था।

अफगान पर तालिबान का कब्जा चीन के लिए अच्छी खबर, करना चाहता 'मैत्रीपूर्ण संबंध' विकसित

चीन हर जगह अपना फायदा देखता है। इसी फायदे को देखते हुए तालिबान पर उसने नजर रखी। कई इनपुट भी आए थे कि कैसे चीन और पाकिस्तान की तरफ से सहयोग किया गया।

दिल्ली. 20 साल बाद अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा हो गया। तालिबान अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज हो गया। तालिबान की अफगान सत्ता पर कब्जे से कितना फायदा चीन और उसके दोस्त पाकिस्तान को होने वाला है। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार चीन का कहना है कि वह अफगानिस्तान के तालिबान के साथ 'मैत्रीपूर्ण संबंध' विकसित करना चाहता है। चीन और पाकिस्तान साफ कह चुके हैं कि वो तालिबान का स्वागत करते हैं। हम ये देख भी रहे हैं कि कैसे तालिबान के नेता चीन में जाकर मुलाकात कर रहे हैं। अफगानिस्तान की समृद्ध खनिज संपदा पर चीन की नजर है। चीन ने इससे पहले भी तालिबान राज को मान्यता देने के संकेत दिए थे।

कई मायनों में तालिबान, चीन के काम आ सकता है। मध्य एशिया तक पहुंचने और सीपीईसी की सुरक्षा में तालिबान बेहद अहम है। वहीं खबर ये भी है कि तालिबान ने भी चीन को उनके खिलाफ न जाने का भरोसा दिया है। चीन हर जगह अपना फायदा देखता है। इसी फायदे को देखते हुए तालिबान पर उसने नजर रखी। कई इनपुट भी आए थे कि कैसे चीन और पाकिस्तान की तरफ से सहयोग किया गया।

अफगानिस्तान को सीपीईसी का हिस्सा बनाएगा चीन

अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से तेजी से हो रही वापसी के बीच अपने हितों के लिए चीन ये खाली जगह भरने की तैयारी में है। चीन अब अफगानिस्तान को भी चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर सीपीईसी का हिस्सा बनाने की प्लानिंग कर रहा है। अफगानिस्तान में करीब 20 साल तक तालिबान और अलकायदा से जंग लड़ने के बाद अमेरिका अब वापस लौट रहा है। चीन अगर अपने मकसद में कामयाब होता है तो ये भारत की चिंता की बात हो सकती है। चीन कके मंसूबे यहां के प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की है। इसी वजह से चीन करीब 62 अरब डॉलर के बेल्ट एंड रोड कॉरिडोर का हिस्सा कहे जाने वाले सीपीईसी का विस्तार अफगानिस्तान तक करना चाह रहा है।

आरामदायक होने वाली है आपकी यात्रा, देश की सबसे तेज़ दौड़ने वाली ट्रेन में शामिल हो रहे नए फीचर

नई वंदे भारत एक्सप्रेस में तेज गति और आधुनिक यात्री सुविधाएं होंगी जिनमें ऑनबोर्ड इंफोटेनमेंट और जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली शामिल है। साथ ही, ट्रेनों में सीसीटीवी, ऑटोमेटिक स्लाइडिंग डोर के साथ रिट्रैक्टेबल कोच फुटस्टेप्स के साथ-साथ जीरो डिस्चार्ज वैक्यूम-आधारित बायो-टॉयलेट होंगे।

दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान घोषणा की कि 15 अगस्त 2023 तक 75 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में लाल किले से अपने 15 अगस्त के संबोधन में कहा कि, "75 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें आजादी का अमृत के 75 सप्ताह में देश के हर कोने को जोड़ेंगी। बता दें कि पीएम मोदी ने वंदे भारत पहल की तुलना UDAN योजना से की।

वंदे भारत पहल क्या है?

पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को 17 फरवरी 2019 को नई दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई थी। वंदे भारत एक्सप्रेस केंद्र सरकार की मेड इन इंडिया पहल के तहत बनाई गई एक हाई स्पीड इंटरसिटी ट्रेन है। इन ट्रेनों की गति सीमा 180 किमी प्रति घंटा है।

इसमें नया क्या है?

नई वंदे भारत एक्सप्रेस में तेज गति और आधुनिक यात्री सुविधाएं होंगी जिनमें ऑनबोर्ड इंफोटेनमेंट और जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली शामिल है। साथ ही, ट्रेनों में सीसीटीवी, ऑटोमेटिक स्लाइडिंग डोर के साथ रिट्रैक्टेबल कोच फुटस्टेप्स के साथ-साथ जीरो डिस्चार्ज वैक्यूम-आधारित बायो-टॉयलेट होंगे। समाचार ट्रेनों में भी सुरक्षा सुविधाओं को बढ़ाया जाएगा जैसे कि चार आपातकालीन खिड़कियों और हर कोच में दो के बजाय चार आपातकालीन पुश बटन शामिल होंगे। इसके साथ ही इस ट्रेन में डिजास्टर लाइटें भी लगाई जाएगी ताकि अगर लाइट फेल हो जाए तो वक्त पर डिजास्टर लाइटें ही काम आए। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी एक खबर के अनुसार, भारतीय रेलवे मार्च 2022 से नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को चलाने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नई ट्रेनों का वाणिज्यिक संचालन जून 2022 तक होने की उम्मीद है।

वंदे भारत की कितनी ट्रेनें अभी चल रही हैं?

भारतीय रेलवे वर्तमान में देश में दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन करती है। पहली वंदे भारत एक्सप्रेस वाराणसी और नई दिल्ली के बीच चल रही है जबकि दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस कटरा और नई दिल्ली के बीच चल रही है।

व्हाइट हाउस के बाहर अफगानी नागरिकों का प्रदर्शन, बाइडन पर लगाया धोखा देने का आरोप

वॉशिंगटन. अफगानिस्तान के विकट हालात के बीच व्हाइट हाउस के अफगानी नागरिकों ने प्रदर्शन किया है। वे अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे से काफी नाराज नजर आए तथा नारे लगा रहे थे कि 'बाइडन तुमने धोखा दिया, बाइडन तुम जिम्मेदार हो।'

प्रदर्शनकारियों ने अफगानिस्तान के मौजूदा हालात के लिए बाइडन को जिम्मेदार ठहराया। वे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सरकारी आवास व्हाइट हाउस के बाहर एकत्रित हुए और नारे लगाते हुए कहा कि 'बाइडन तुमने धोखा दिया, बाइडन तुम जिम्मेदार हो।' प्रदर्शनकारियों ने तालिबान की कार्रवाईयों की भी निंदा करते कहा कि अफगानिस्तान के नागरिकों के साथ ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। इस बीच पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि तालिबान का विरोध किए बिना काबुल का पतन होना अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी हार के रूप में दर्ज होगा।

फेस्टिव सीजन के दौरान लॉन्च होने वाली टॉप 5 नई एसयूवी

दिल्ली. भारत में जैसे ही फैस्टीव सीजन शुरू होता है वैसे ही नई कारों की बिक्री भी तेजी से होने लगती है। आपको बता दें कि यह एक बड़ा कारण है कि कंपनियां इस दौरान ही नए कारों को लॉन्च करती है। अगर आप भी नई कार खरीदने का सोच रहे है तो बता दें कि भारतीय बाजार में कई नई कार लॉन्च होने वाली है जिनके टीजर भी आने शुरू हो गए है।

MAHINDRA XUV700

महिंद्रा ने आधिकारिक तौर पर 2021 की तीसरी तिमाही में 7-सीटर XUV700 SUV लॉन्च करने की घोषणा की है। महिंद्रा XUV500 को 5-सीटर मॉडल के रूप में नए अवतार में फिर से पेश करेगी। XUV700 का मुकाबला टाटा सफारी, एम जी हेक्टर प्लस और जल्द ही लॉन्च होने वाली Hyundai Alcazar से होगा। नई Mahindra XUV700 को दो इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा - एक 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल और एक 2.2-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल।

HYUNDAI ALCAZAR

Hyundai 7-सीटर Alcazar SUV को 2021 के बीच के महीने में पेश करेगी। एसयूवी को 6-और 7-सीट विकल्पों में उपलब्ध कराया जाएगा। Alcazar का मुकाबला Tata Safari, Mahindra XUV700 और MG Hector Plus से होगा। इसमें नया 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन होगा जो 159PS की पावर पैदा करता है। डीजल वर्जन में 113bhp, 1.5L टर्बो-डीजल इंजन मिलेगा।

SKODA KUSHAQ

स्कोडा एसयूवी लॉन्च करेगी। स्कोडा कुशाक को दो पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा-एक 113bhp, 1.0-लीटर 3-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड और 147bhp, 1.5-लीटर 4-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड।

VOLKSWAGEN TAIGUN

वोक्सवैगन 2021 की तीसरी तिमाही में एसयूवी का संस्करण पेश करेगी। इसका मुकाबला Hyundai Creta और Kia Seltos से होगा। एसयूवी की फीचर सूची में एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ 10 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, हवादार सीटें, लेदर अपहोल्स्ट्री, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल, इलेक्ट्रिक सनरूफ और अन्य शामिल हैं। Taigun के इंजन सेटअप में 114bhp, 1.0L टर्बो पेट्रोल और 1.5L टर्बो पेट्रोल यूनिट शामिल होगा।

NEW-GEN MARUTI VITARA BREZZA

मारुति सुजुकी दूसरी पीढ़ी की विटारा ब्रेज़ा को 2021 की तीसरी तिमाही में लॉन्च करेगी। यह नए हल्के HEARTECT प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जो अर्टिगा और सियाज़ को भी रेखांकित करता है। हालांकि, बेहतर सुरक्षा और स्थिरता के लिए इस प्लेटफॉर्म में बदलाव किया जा सकता है। नया ब्रेज़ा 1.5-लीटर K15B पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होगा जिसमें एक मजबूत हाइब्रिड सिस्टम होगा।

क्या होता है एयर स्पेस और कैसे कोई देश तय करता है अपनी जल और हवाई सीमा

दिल्ली. अफगानिस्तान की सेना के एक प्लेन के क्रैश होने की खबर वाकई दिल दुखाने वाली थी। उज्बेकिस्तान में क्रैश हुआ यह एयरक्राफ्ट एक मिलिट्री जेट था जो 16 अगस्त को सीमा पार करते हुए उज्बेकिस्तान में क्रैश हो गया था। उज्बेकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर की तरफ से यह जानकारी दी गई। बताया जा रहा है कि इस एयरक्राफ्ट ने एयरस्पेस को पार करने की कोशिश की थी। उज्बेकिस्तान की तरफ से 84 अफगानी सैनिकों को बंदी भी बना लिया गया है। जानिए, क्या होता है एयरस्पेस और क्यों किसी देश के लिए महत्वपूर्ण होता है।

तीन तरह के होते हैं एयरस्पेस : किसी भी देश के लिए जब सीमा का निर्धारण होता है तो उसकी सीमाओं के अंदर आने वाली जमीन के साथ पानी और आकाश की भी बात होती है। कोई भी देश जमीनी तट से 12 नॉटिकल मील यानी 22.2 किलोमीटर दूर तक समुद्र पर अपना अधिकार रखता है और इसे जल सीमा या कोस्टल बॉर्डर कहते हैं। किसी भी देश की थल और जलसीमा के ऊपर के आकाशीय हिस्से को एयरस्पेस कहा जाता है।

इस एयरस्पेस पर जमीन और जल की तरह उस देश का अधिकार होता है। इसलिए यह देश तय करता है कि कौन इस एयरस्पेस से गुजर सकता है और कौन नहीं। जमीन से ऊंचाई और इस्तेमाल के आधार पर एयरस्पेस को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। जैसे नियंत्रित एयरस्पेस, अनियंत्रित एयरस्पेस, विशेष उपयोग के एयरस्पेस और प्रतिबंधित एयरस्पेस।

नियंत्रित और विशेष उपयोग वाला एयरस्पेस : नियंत्रित एयरस्पेस का मतलब वो हवाई क्षेत्र जिसमें उड़ान भरने वाले विमानों का नियंत्रण एयर ट्रैफिक कंट्रोल द्वारा किया जाता है। इसे ऊंचाई के हिसाब से सबसे ऊपर एयरस्पेस ए, बी, सी, डी और ई में बांटा जाता है। अनियंत्रित एयरस्पेस में उड़ान भर रहे विमानों को एटीसी निर्देश नहीं देता है। इन विमानों के पायलटों को विजुअल फ्लाइट रूल्स यानी दिखाई देने के हिसाब से विमान को नियंत्रित करना होता है। इसे जी एयरस्पेस भी कहते हैं और यह जमीन से कम ऊंचाई पर होता है।

विशेष उपयोग के एयरस्पेस में सेना द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाले एयरस्पेस समेत अलग-अलग विशेष उपयोग का हवाई क्षेत्र शामिल होता है। प्रतिबंधित एयरस्पेस में कोई विमान उड़ान नहीं भर सकता। ऐसा अक्सर ऐतिहासिक इमारतों और सुरक्षा ठिकानों के ऊपर होता है। भारत में ताजमहल के ऊपर उड़ान भरना प्रतिबंधित है।

कैसे चुना जाता है हवाई मार्ग : किन्हीं भी दो स्थानों के बीच हवाई मार्ग तय करने के लिए कुछ पैमाने होते हैं। पहला पैमाना दूरी होता है। उड़ान शुरू करने वाले स्थान से उड़ान के गंतव्य स्थान तक सबसे कम हवाई दूरी वाले मार्ग को चुना जाता है। इसके बाद देखा जाता है कि इस मार्ग का मौसम कैसा है, हवा की रफ्तार क्या होगी, आपातकालीन समय में नजदीकी एयरपोर्ट की दूरी कितनी होगी और हवाई क्षेत्र के नीचे पड़ने वाले स्थल या जलीय क्षेत्र में किसी तरह का विवाद तो नहीं है।

इन सभी पैमानों पर खरा उतरने के बाद उड़ान के मार्ग को चुना जाता है। हालांकि हर देश का अपने एयरस्पेस पर विशेषाधिकार होता है। यह उस देश का अधिकार है कि वो किस विमान को अपने एयरस्पेस में दाखिल होने देता है और किस विमान को प्रतिबंधित कर देता है। भारतीय एयरस्पेस पर भारत सरकार और भारतीय वायुसेना का विशेषाधिकार है। किसी भी विमान को भारत के हवाई क्षेत्र में दाखिल होने के लिए इनसे अनुमति लेनी ही होती है।

करुणा राजू ने की राजनैतिक प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग

वोटर सूचियों के विशेष संशोधन व त्रुटियों को दूर करने संबंधी की चर्चा

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. एस करुणा राजू ने राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ वोटर सूचियों के विशेष संक्षिप्त संशोधन-2022 संबंधी जानकारी देने के लिए मीटिंग की। इस मीटिंग में सभी प्रांतीय और राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टियों के नुमायंदों ने शिरकत की। डॉ. राजू ने कहा कि वोटर सूची में विवरण दर्ज करने, हटाने और सुधारने के लिए एक विशेष मुहिम शुरु की गई है। यह मुहिम 1 जनवरी 2022 को 18 साल के होने जा रहे नौजवान के वोटर के तौर पर नाम दर्ज करने के मद्देनज़र चलाई जा रही है। यह मुहिम ज़िला स्तर से हलका स्तर और बूथ स्तर तक निरंतर पूरे राज्य में चलाई जायेगी। उन्होंने कहा कि इस मुहिम के अंतर्गत बूथ स्तर अफसरों (बीएलओज) द्वारा तारीख़ 09.08.2021 से 31.10.2021 तक घर-घर जाकर वोटर सूचियों का संशोधन किया जायेगा और वोटर सूचियों की त्रुटियों को दूर किया जा सके। मुख्य चुनाव अधिकारी, पंजाब डॉ. एस करुणा राजू, आईएएस, ने वोटर सूचियों के विशेष संक्षिप्त संशोधन की समूची प्रक्रिया बारे विस्तार में बताते हुए राजनैतिक पार्टियों के नुमायंदों को एक पीपीटी प्रस्तुति भी दी और वोटर सूचियों के विशेष संक्षिप्त संशोधन को पूरा करने में उनकी सक्रिय भागीदारी की माँग की। डॉ. राजू ने कहा कि जनसंख्या रजिस्टर अनुसूची में एंट्रियां (डीएसईज), मल्टीपल एंट्रियां और तार्किक त्रुटि को हटाने की प्रक्रिया 09.08.2021 से 31.10.2021 के बीच होगी। इसके उपरांत 01.11.2021 को ड्राफ्ट प्रकाशित किया जायेगा। दावों और आपत्तियों की अवधि 01.11.2021 से 30.11.2021 के बीच रखी गई है। सभी पोलिंग स्टेशनों पर 06.11.2021, 07.11.2021, 20.11.2021 और 21.11.2021 को विशेष कैंप भी लगाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ईसीआई द्वारा वोटर सूची में दिव्यांग व्यक्तियों, ट्रांसजेंडरों और विदेशों में रहते और कर्मचारियों आदि श्रेणियों को वोटिंग में शामिल करने के लिए राजनैतिक पार्टियों की भागीदारी की विशेष तौर पर माँग की। सी.ई.ओ, पंजाब ने राजनैतिक पार्टियों को हर पोलिंग स्टेशन के लिए बूथ स्तर एजेंट (बीएलए) की पहचान और नियुक्ति करने के लिए उत्साहित किया जोकि संशोधन अभ्यास में संबंधित बीएलओज का समर्थन करेंगे। राजू ने उनको ई.सी.आई द्वारा की गई विभिन्न आई.टी पहलकदमियों बारे भी अवगत करवाया। इसके अलावा नुमायंदों को चुनाव प्रक्रिया के संचालन दौरान व्यापक तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली मोबाइल ऐप्लीकेशनों जैसे कि वोटर हेल्पलाइन ऐप और सी-विजिल संबंधी भी जानकारी दी। मीटिंग में अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी माधवी कटारिया, आल इंडिया तृणमूल कांग्रेस से मनजीत सिंह गिल, बहुजन समाज पार्टी से अजीत सिंह बाहिनी, भारतीय जनता पार्टी से अरविन्द मित्तल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) से भाग सिंह, इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी से जिसनेश कुमार, शिरोमणि अकाली दल के अर्शदीप सिंह और आम आदमी पार्टी के गगनदीप सिंह चड्ढा शामिल थे।

25 तक सभी अध्यापकों को कवर करने के लिए विशेष टीकाकरण कैंप लगाए जाएंगे : डीसी

जालंधर. डीसी घनश्याम थोरी ने बताया कि ज़िला प्रशासन, जालंधर की तरफ से 25 अगस्त तक सभी स्कूल अध्यापकों को कवर करने के लिए ज़िले भर में विशेष कोविड -19 टीकाकरण कैंप लगाए जा रहे है। डीसी ने बताया कि कम समय में सभी स्कूल अध्यापकों को कवर करने के उद्देश्य से ज़िले में 22 विशेष कैंप लगाए जा रहे है। उन्होंने बताया कि यह कैंप सीएचसी काला संघिया, आदमपुर, फ़िल्लौर, पीएचसी बिलगा, नूरमहल, जंडियाला, वड़ा पिंड, जमशेर ख़ास, सीएचसी. करतारपुर, नकोदर, सीएचसी लोहियां ख़ास, शाहकोट, महतपुर और शहरी जालंधर में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि टीकाकरण पूरा किये बिना किसी को भी स्कूल की क्लासों में जाने की आज्ञा नहीं दी जायेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की सुरक्षा के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता और इस कार्य में किसी भी तरह की ढील के साथ सख़्ती से निपटा जायेगा। डीसी ने कहा कि राज्य सरकार की तरफ से सभी स्कूल अध्यापकों को दी गई समय सीमा तक विशाल टीकाकरण अभियान के द्वारा कवर करना ज़रूरी कर दिया गया है क्योंकि बच्चों की सुरक्षा चिंता का मुख्य विषय है। उन्होंने ज़िला शिक्षा अधिकारी को स्कूलों में टीकाकरण अभियान को और तेज करनेके लिए कहा।

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने नशीले पदार्थों व हथियारों समेत 9 आरोपी पकड़े

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जालंधर ग्रामीण पुलिस ने गजटिड अधिकारियों सहित 1000 से अधिक पुलिस कर्मियों को ग्रामीण क्षेत्र की सुरक्षा संबंधी तैनात किया था ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसी बीच 8 अगस्त से लेकर 16 अगस्त तक न केवल चौबीस घंटे सातों दिन उच्च सतर्कता बरती गई बल्कि पुलिस ने अपराधियों, असामाजिक तत्वों पर नकेल भी कसी। इसके अलावा अलग-अलग जगह पर ड्रग्स व हथियारों की भी बरामदगी की। एसएसपी जालंधर ग्रामीण नवीन सिंगला ने पुलिस टीम द्वारा आजादी दिवस के दौरान किए गए प्रयासों की सराहना की और कहा कि पूरी टीम ने पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपना कर्तव्य निभाया है।

इस दौरान नशीले पदार्थों व हथियारों के संबंध में विभिन्न मामलों में 300 किलो पोस्त, 500 ग्राम अफीम, दो पिस्टल यानी एक 30 बोर की पिस्टल के साथ 3 जिंदा कारतूस व एक 32 बोर की पिस्टल के साथ 10 जिंदा कारतूस, 7,90,000 रुपये/अवैध पैसा ब्रीजा कार रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी 90-4747, 50 ग्राम सोना, 2 टैबलेट, 6 मोबाइल फोन व 3 मोटरसाइकिल/स्कूटी बरामद किए गए। पुलिस ने इस दौरान लखविंदर सिंह पुत्र सागर सिंह निवासी नूरमहल, मोहम्मद अयूब निवासी जम्मू-कश्मीर, बशीर अहमद निवासी जम्मू-कश्मीर, हरिंदरपाल सिंह निवासी गोराया, अमित कुमार उर्फ सुभाना निवासी सुभाना, लवप्रीत सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी लोहियां, राजिंदर सिंह निवासी शाहकोट, जगदेव सिंह निवासी लोहियां, राजनप्रीत सिंह निवासी लोहियां को गिरफ्तार करके केस दर्ज किए गए।

1128 नशीले कैप्सूलों समेत पति-पत्नी गिरफ्तार

जालंधर. जालंधर पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर के दिशा-निर्देश के अनुसार नशा तस्करों के खिलाफ चलाई गई मुहिम के तहत थाना भार्गव कैंप के प्रभारी अजायब सिंह ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि एसआई संदीप कौर ने काला सिंघा रोड़ कोट सदीक नहर पुली के पास नाके दौरान स्कूटर पीबी08 डीयू 8573 पर सवार होकर आ रहे पति-पत्नी को

शक के अधार पर रोकने का इशारा किया। वह घबराकर पीछे की और जाने लगे पर पुलिस ने उन्हें रोक कर तलाशी ली। उनके पास से 1128 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। आरोपियों की पहचान राम बालम पुत्र नाथों पासवान व पत्नी रूपा रानी निवासी बिहार हाले पिंक सिटी कोट सदीक के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकद्दमा नंबर 101 तिथी 16-08-2021 अधीन 22 एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना भार्गव कैंप में दर्ज करवाया गया है।

फिल्म '200 – हल्ला हो' 20 अगस्त को जी 5 पर

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

सार्थक दासगुप्ता द्वारा निर्देशित, 200 – हल्ला हो !, यह कहानी है कि कैसे 200 दलित महिलाओं ने एकजुट होकर एक गैंगस्टर, लुटेरे और सीरियल रेपिस्ट को खुली अदालत में पीट-पीट कर कानून और न्याय अपने हाथ में ले लिया था। सच्ची घटनाओं से प्रेरित, फिल्म चौंकाने वाली घटनाओं और परिस्थितियों को उजागर करती है जिसके कारण 200 महिलाओं ने न्याय पाने के लिए इतना कठोर कदम उठाया था।

'200 – हल्ला हो' में दिल्ली के मुंडा और प्रसिद्ध टीवी अभिनेता बरुण सोबती, दिल्ली की कुड़ी और 'सोनी' फेम अभिनेत्री सलोनी बत्रा और चंडीगढ़ का मुंडा और लोकप्रिय होस्ट/यूट्यूबर साहिल खट्टर, सैराट गर्ल रिंकू राजगुरु, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता – उपेंद्र लिमये और लोकप्रिय टीवी अभिनेता इंद्रनील सेनगुप्ता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह फ़िल्म एक दशक से अधिक समय के बाद अनुभवी अभिनेता अमोल पालेकर की वापसी का प्रतीक है।

नई उड़ान संस्था ने 10वां फ्री वैक्सीनेशन कैंप लगाया

जालंधर. समाज सेवी संस्था नई उड़ान वेलफेयर सोसाइटी (रजि.) के सदस्यों द्वारा अपने 53वें प्रोजेक्ट के अंतर्गत व जिला प्रशासन के सहयोग से गौरी सहाय अमरनाथ बिल्डर्स, रामा मंडी-होशियारपुर रोड में 10वां फ्री वैक्सीनेशन कैंप लगवाया गया।

संस्था की ओर से शिव अरोड़ा ने बताया कि हमारी सोसाइटी हमेशा ही मानव कल्याण के कार्य करती रहती है ओर बताया कि आज के इस कैंप में लगभग 100 लोगों को कोवैक्सीन लगाई गई।

इस अवसर पर पार्षद मनदीप जस्सल विशेष रूप से उपस्थित हुए और उन्होंने क्लब द्वारा लगवाये गए कैंप की प्रशंसा की।

सिविल हॉस्पिटल से आए हुए डॉक्टर सुषमा, द्रोपती आदि का संस्था की ओर से धन्यवाद किया गया।

इस अवसर पर रमन गुप्ता, नीरज अग्रवाल, अंशुल गुप्ता, योगेश कुमार, सुनील गुप्ता, संदीप अरोड़ा, सचिन अरोड़ा, बबलू आदि उपस्थित हुए।

जालंधर नगर राजभाषा सैमिनार व अनुभूति पत्रिका का विमोचन

जालंधर. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जालंधर नराकास की एक बैठक नराकास के अध्यक्ष व प्रधान आयकर आयुक्त-1 दविंदर चौधरी की अध्यक्षता में हुई। इसमें जालंधर स्थित भारत सरकार के विभिन्न कार्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में दविंदर चौधरी ने नराकास की हिन्दी पत्रिका अनुभूति के छटे अंक का विमोचन किया। हिन्दी में बेहतरीन कार्य करने के लिए उन्होंने इ.सी.जी.सी. और दूरदर्शन केन्द्र जालंधर को पुरस्कृत किया।

अपने संबोधन में दविंदर चौधरी ने सभी कार्यालयों से राजभाषा के लक्ष्य को हासिल करने पर बल दिया और कार्यालयों द्वारा अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने पर प्रसन्नता भी जताई।

बैठक में इस वर्ष के लिए जारी वार्षिक कार्यक्रम पर चर्चा के अलावा समिति की छमाही बैठक जल्द आयोजित करने पर विचार किया गया।

SPORTS PLANET स्पोर्ट्स प्लेनेट

लॉर्ड्स में शतक जमाकर जो रूट ने हासिल किया दूसरा स्थान, सिराज को भी जबरदस्त फायदा

केएल राहुल और रोहित शर्मा को भी आईसीसी की ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है, लेकिन जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को नुकसान झेलना पड़ा है।

दिल्ली. भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट सीरीज में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का असर उनकी रैंकिंग पर भी दिख रहा है। सीरीज के पहले दो मैचों में इंग्लैंड की बल्लेबाजी बेदम रही है और सिर्फ कप्तान जो रूट ही भारतीय गेंदबाजों का जमकर सामना कर सके हैं। इसका असर रूट की टेस्ट रैंकिंग पर भी दिख रहा है। सीरीज के पहले दोनों मैचों में शतक जमाने के बाद रूट दुनिया के नंबर 2 रैंक बल्लेबाज बन गए हैं। लॉर्ड्स टेस्ट में 180 रनों की जबरदस्त शतकीय पारी खेलने वाले रूट अब पहले स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन के बेहद करीब पहुंच गए हैं। वहीं भारतीय बल्लेबाजों में केएल राहुल की रैंकिंग में उछाल आया है, जबकि रोहित शर्मा अपने टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुंच गए हैं और कप्तान विराट कोहली के बेहद करीब हैं।

• जो रूट ने लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में शानदार शतक जमाया।
(तस्वीर पीटीआई/एपी से साभार)

इंग्लैंड को भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच में 151 रनों से कड़ी हार झेलनी पड़ी थी। दोनों पारियों में टीम के ज्यादातर बल्लेबाजों ने निराश ही किया। कप्तान रूट टीम के लिए अकेले संघर्ष करते रहे। उन्होंने पहले पारी में नाबाद 180 रन बनाए, जबकि दूसरी पारी में भी 33 सबसे ज्यादा 33 रन बनाए। इस सीरीज से पहले रूट बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में कोहली से पीछे पांचवें पायदान पर थे, लेकिन अब 893 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके और विलियमसन (901) के बीच सिर्फ 8 अंकों का फासला है।

राहुल को मिली बढ़त, रोहित की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग | वहीं अगर भारतीय बल्लेबाजों की बात की जाए, तो लॉर्ड्स में शानदार शतक जमाने वाले ओपनर केएल राहुल की रैंकिंग में उछाल आया है। 129 रनों की पारी खेलने वाले राहुल की रैंकिंग में 19 स्थान का सुधार हुआ है और वह 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहली पारी में 83 रन बनाने वाले दूसरे ओपनर रोहित शर्मा छठीं रैंक पर बरकरार हैं, लेकिन उनकी रेटिंग 773 हो गई है, जो रोहित के टेस्ट करियर की सर्वश्रेष्ठ है। वह अब पांचवीं रैंक पर मौजूद विराट कोहली से सिर्फ 3 पॉइंट पीछे हैं। ऋषभ पंत सातवें स्थान पर बरकरार हैं।

सिराज और इशांत को फायदा | जहां तक गेंदबाजी की बात है, तो इंग्लैंड के दिग्गज जेम्स एंडरसन एक स्थान ऊपर चढ़े हैं। पहली पारी में 5 विकेट लेने का फायदा उन्हें हुआ और वह एक स्थान ऊपर चढ़ते हुए छठीं रैंक पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी पारी में बल्ले और गेंद से जलवा दिखाने वाले जसप्रीत बुमराह हालांकि, एक स्थान लुढ़ककर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। लॉर्ड्स में 8 विकेट झटकने वाले युवा भारतीय पेसर मोहम्मद सिराज को जबरदस्त फायदा हुआ है और वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 38वीं रैंक पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 18 स्थानों की छलांग लगाई है। इशांत भी ऊपर बढ़कर 16वें स्थान पर आ गए हैं, लेकिन मोहम्मद शमी लुढ़ककर 19वें स्थान पर हैं।

तालिबानी कब्जे के बीच श्रीलंकाई क्रिकेटर ने दिया अफगानिस्तान को सहारा, विश्व कप से पहले बना टीम का बैटिंग कोच

दिल्ली. पूरी दुनिया में इस वक्त अफगानिस्तान के हालात पर चर्चा और चिंता बनी हुई है। आतंकी संगठन तालिबान के देश में कब्जे के बाद से ही वहां की स्थिति ने हर किसी को परेशान किया हुआ है। स्थानीय लोग देश छोड़ने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इसके साथ ही वहां की क्रिकेट टीम को लेकर भी खेल बिरादरी में चिंता है। टीम के टी20 कप्तान और दिग्गज स्पिनर राशिद खान लगातार दुनिया से मदद की अपील कर रहे हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के टी20 वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर भी आशंका बनी हुई है। हालांकि, अफगानिस्तान बोर्ड विश्व कप के लिए अपनी उपलब्धता जाहिर कर चुका है। ऐसे में जब स्थानीय लोग भी खौफ के चलते अपना देश छोड़ रहे हैं, तो श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के लिए अपना हाथ बढ़ाया है।

श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज अविश्का गुणावर्धने को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। अविश्का गुणावर्धने के ऐसे वक्त में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ने के फैसले ने सबको चौंका दिया है, लेकिन इससे अफगानिस्तानी टीम को बड़ी मदद मिलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार 17 अगस्त को गुणावर्धने को टीम का कोच नियुक्त किए जाने का ऐलान किया।

टी20 विश्व कप से पहले हुई नियुक्ति

44 साल के गुणावर्धने टी20 विश्व कप से पहले ही टीम के साथ जुड़ेंगे। अफगानिस्तान को वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी हैं। वहीं विश्व कप में ये टीम सीधे सुपर-12 स्टेज में उतरेगी, जहां पहले से ही क्वालिफाई कर चुकी 8 टीमें मौजूद रहेंगी और 4 टीमें 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले क्वालिफायर से अपनी जगह बनाएंगी। अफगानिस्तान को सुपर-12 के ग्रुप-2 में रखा गया है, जहां उसके साथ भारत और पाकिस्तान जैसी दो पूर्व विश्व चैंपियन टीमें हैं। उनके अलावा न्यूजीलैंड ग्रुप की चौथी टीम है। अफगानिस्तान का पहला मैच 25 अक्टूबर को क्वालिफायर टीम से होगा।

भ्रष्टाचार के आरोपों से बरी गुणावर्धने | गुणावर्धने ने श्रीलंका के लिए 67 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उनके खाते में 1800 से ज्यादा रन आए। उन पर पिछले साल भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, लेकिन इस साल मई में आईसीसी ने उन्हें इन सभी आरोपों से बरी कर दिया था। आईसीसी की ओर से आए फैसले से गुणवर्धने को बड़ी राहत मिली थी, जिसके बाद उनके क्रिकेट में वापसी का रास्ता साफ हुआ था और अब वह अफगान टीम को बैटिंग की कोचिंग देंगे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.